अध्यात्म के माध्यम से जीवन में सकारात्मकता आ सकती है - अधिव्याख्याता -कमलजी दीक्षित

ब्रह्मकुमारीज मीडिया सर्व्हिस सेंटर का उद्‌घाटन

औरंगाबाद - प्रसार माध्यम में कार्य करनेवाले कर्मियों के जीवन व्यथित और तणाव से भर गया है। समाज के भीतर घड़रही घटनाओं का भले भाँति प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष परिणाम उनपर होता है। ऐसे वक्त पर उन्हें अध्यात्म के माध्यम की जरूरत होती हैं, इसी के चलते उनका जीवन सकारात्मक तणावमुक्त हो सकता है। ऐसा मत ओम शांति मीडिया के संपादक अधिव्याख्याता कमलजी दीक्षित ने व्यक्त किया।

ब्रह्मकुमारीज मीडिया सर्व्हिस सेंटर का उद्‌घाटन समारोह बुधवार (ता. ३०) को अधिव्याख्याता दीक्षित के हाथों भानुदासनगर स्थित सेवाकेंद्र में संपन्न हुआ। इस समय प्रमुख अतिथी के रूप में पंजाबराव वडजे उपस्थित थे। वही व्यासपीठपर केंद्र के प्रमुख शीलादीदीजी उपस्थित थी। इस मीडिया सर्व्हिस सेंटर के माध्यम से प्रसार माध्यम संवाददाताओं को विशेष सेवा दी जायेंगी। इस समय प्रमुख अतिथीयों के करकमलों से दीप प्रज्वलन किया गया। वही केंद्र स्थापना का प्रमाणपत्र शीलादीदी को प्रदान किया गया।

अधिव्याख्याता कमलजी दीक्षित ने प्रसार माध्यम के जरिये प्रकाशित होनेवाले नकारात्मक एवंम अपराध जगत के समाचारों को प्राथमिकता देने के चलते चिंता व्यक्त की, समाज के सामने अच्छाई और सकारात्मक घटनाओं को लाने के लिये संवाददाताओं ने आगे आने की जरूरत उन्होंने जतायी।

संवाददाताओं की जीवन शैली तणाव से भर गयी है जिसके चलते हृदयरोग, डायबेटीस आदी के प्रमाण पिछले दस वर्षों में बढ गये हैं। तणावमुक्ती के लिये ब्रह्मकुमारीज संस्थान व्दारा कार्य किया जाता हैं। वही वैचारशीलता में सकारात्मक एवंम योग के व्दारा मिलने वाली ऊर्जा का इस्तेमाल अपने कर्तव्य काल में करना जरूरी हो गया हैं।

इस समय ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी शीलादीदी, पंजाबराव वडजे ने अपना मनोगत व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शोभा दीदी ने किया। कार्यक्रम यशस्वीता के लिये मंगल बहन, स्नेहल बहन, दिनेशभाई, सचिनभाई, कैलासभाई आदी ने किया।

फोटो कैप्शन : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विद्यालय व्दारा औरंगाबाद शहर में शुरू किये गये। ब्रह्माकुमारीज मीडिया सर्व्हिस सेंटर के उद्‌घाटन समारोह समय केंद्र स्थापना प्रमाणपत्र अधिव्याख्याता कमलजी दीक्षित के करकमलों से सेवाकेंद्र के प्रमुख शीलादीदी को सौंपा गया। इस समय उपस्थित स्नेहलदीदी एवंम् पंजाबराव वडजे।